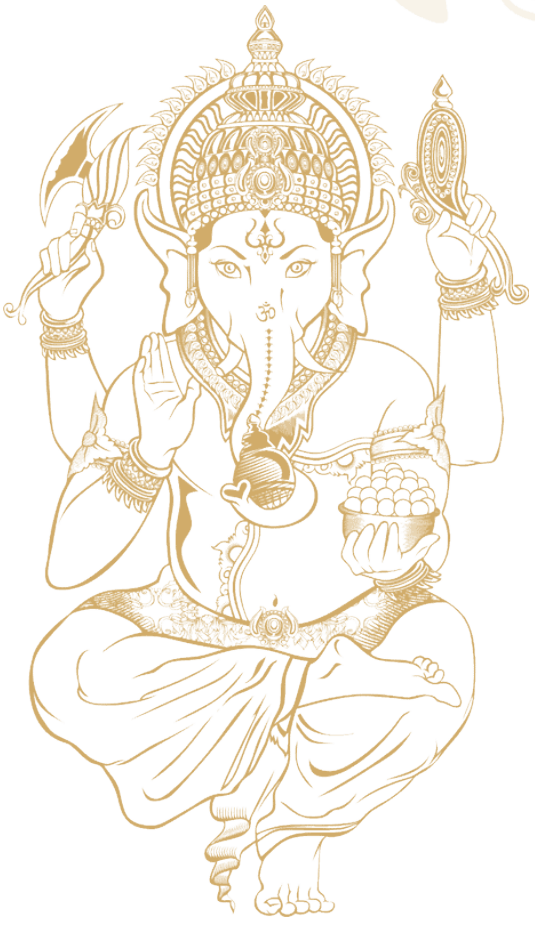

taqdeer kaur

19 Mar 2026

03:47 PM

Nangal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121739403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/03/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**15:47:00 घंटे**
इष्ट	23:12:41 घटी
स्थान	**Nangal**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:19:00 उत्तर
रेखांश	76:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:22:44 घंटे
वेलान्तर	-00:07:47 घंटे
साम्पातिक काल	03:10:39 घंटे
सूर्योदय	06:29:55 घंटे
सूर्यास्त	18:34:44 घंटे
दिनमान	12:04:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	04:35:43 मीन
लग्न के अंश	29:34:30 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शुक्ल
करण	किंस्तुघ्न
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	थ-थानसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:34:30	304:23:42	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			मीन	04:35:43	00:59:41	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मीन	09:25:24	14:04:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	19:01:53	00:47:11	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
बुध	व		कुंभ	14:21:44	00:08:25	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु			मिथु	20:58:25	00:01:36	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	21:53:26	01:14:19	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:45:16	00:07:28	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:44:00	00:01:50	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:44:00	00:01:50	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:02:15	00:02:08	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:30:12	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:45:20	00:01:16	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	25:52:54	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

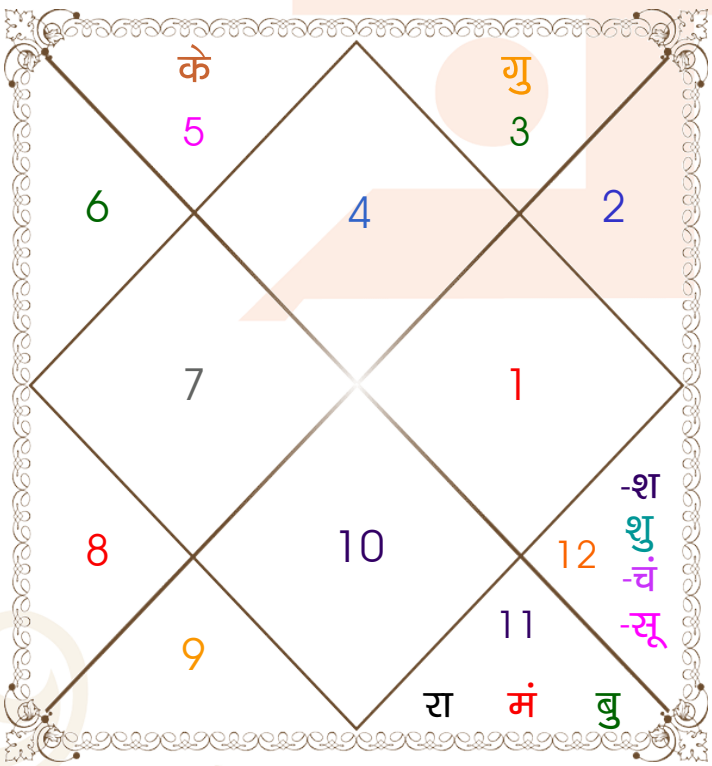

चन्द्र कुंडली

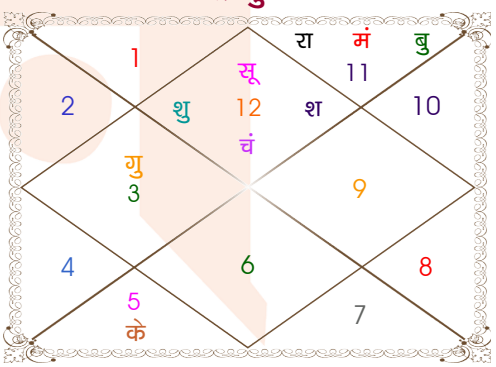

नवमांश कुंडली

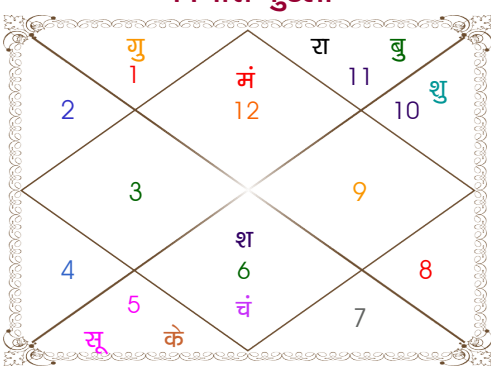

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 10 वर्ष 3 मास 26 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
19/03/2026		14/07/2036		14/07/2053		14/07/2060		14/07/2080	
14/07/2036		14/07/2053		14/07/2060		14/07/2080		15/07/2086	
	00/00/0000	बुध	11/12/2038	केतु	11/12/2053	शुक्र	14/11/2063	सूर्य	01/11/2080
	00/00/0000	केतु	08/12/2039	शुक्र	10/02/2055	सूर्य	13/11/2064	चंद्र	02/05/2081
	19/03/2026	शुक्र	08/10/2042	सूर्य	18/06/2055	चंद्र	15/07/2066	मंगल	07/09/2081
शुक्र	06/07/2027	सूर्य	14/08/2043	चंद्र	17/01/2056	मंगल	14/09/2067	राहु	02/08/2082
सूर्य	17/06/2028	चंद्र	13/01/2045	मंगल	14/06/2056	राहु	14/09/2070	गुरु	21/05/2083
चंद्र	16/01/2030	मंगल	10/01/2046	राहु	02/07/2057	गुरु	15/05/2073	शनि	02/05/2084
मंगल	25/02/2031	राहु	29/07/2048	गुरु	08/06/2058	शनि	14/07/2076	बुध	09/03/2085
राहु	01/01/2034	गुरु	04/11/2050	शनि	18/07/2059	बुध	15/05/2079	केतु	14/07/2085
गुरु	14/07/2036	शनि	14/07/2053	बुध	14/07/2060	केतु	14/07/2080	शुक्र	15/07/2086

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
15/07/2086		14/07/2096		16/07/2103		15/07/2121		15/07/2137	
14/07/2096		16/07/2103		15/07/2121		15/07/2137		00/00/0000	
चंद्र	15/05/2087	मंगल	10/12/2096	राहु	28/03/2106	गुरु	03/09/2123	शनि	18/07/2140
मंगल	14/12/2087	राहु	29/12/2097	गुरु	21/08/2108	शनि	16/03/2126	बुध	28/03/2143
राहु	14/06/2089	गुरु	05/12/2098	शनि	28/06/2111	बुध	21/06/2128	केतु	06/05/2144
गुरु	14/10/2090	शनि	14/01/2100	बुध	14/01/2114	केतु	28/05/2129	शुक्र	20/03/2146
शनि	14/05/2092	बुध	11/01/2101	केतु	02/02/2115	शुक्र	27/01/2132		00/00/0000
बुध	14/10/2093	केतु	09/06/2101	शुक्र	01/02/2118	सूर्य	14/11/2132		00/00/0000
केतु	15/05/2094	शुक्र	09/08/2102	सूर्य	27/12/2118	चंद्र	16/03/2134		00/00/0000
शुक्र	14/01/2096	सूर्य	15/12/2102	चंद्र	27/06/2120	मंगल	20/02/2135		00/00/0000
सूर्य	14/07/2096	चंद्र	16/07/2103	मंगल	15/07/2121	राहु	15/07/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 10 वर्ष 3 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।